हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

**रूसा 2.0**

**सत्र 2024–25**

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

## हिंदी विभाग

गतिविधि - कैरियर काउंसलिंग

सत्र 2024-25

स्वीकृत राशि: ₹10,000

व्यय राशि: ₹6,970

# गतिविधि विवरण

1. वक्ता: डॉ. अजय कुमार साहू
   पद – व्याख्याता हिन्दी भारतीय राज दूतावास मास्को रूस

दिनांक : 04.01.2025

विषय : हिंदी की हद (सरोकार, विस्तार, रोजगार)

लाभान्वित विद्यार्थी : 33

उद्देश्य एवं सार्थकता :- हिंदी विषय के व्यापक दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।
रोजगार में हिंदी भाषा की संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

हिन्दी विभाग
कैरियर काउंसलिंग
Google
GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
57ww+j36, Deepak Nagar, Durg, Bhilai,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196505° Long 81.295738°
04/01/25 12:59 PM GMT +05:30
Google
98/Auto

 **2.** वक्ता : श्री भूपेंद्र कुलदीप
पद - कुलसचिव हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग

दिनांक : 18.02.2025

विषय : हिंदी: सरोकार, विस्तार, रोजगार

लाभान्वित विद्यार्थी : 150

उद्देश्य एवं सार्थकता :- हिंदी भाषा से जुड़े विविध रोजगार क्षेत्रों की जानकारी देना।
विद्यार्थियों को हिंदी विषय में करियर निर्माण हेतु प्रेरित करना।

GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
57ww+j36, Deepak Nagar, Durg,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196542° Long 81.295736°
18/02/2025 10:32 AM GMT +05:30
Google

# आज हिन्दी में रोजगार की अपार संभावनाएं : कुलदीप

दुर्ग, 19 फरवरी (देशबन्धु)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा रूसा योजना अंतर्गत कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारे विचारों की संवाहक है।

साईंस कालेज में कैरियर कांउसलिंग पर कार्यशाला

वर्तमान में हिंदी में रोजगार की संभावनाएं अधिक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम ही नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का भी सशक्त माध्यम है। हिंदी भाषा जीवंत है वह हमारे हृदय से जुड़ हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैरियर काउंसलर भूपेंद्र कुलदीप कुलसचिव हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ने हिन्दी: सरोकार, विस्तार, रोजगार विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है इसे हम केवल लिखते ही नहीं जीते भी है। वर्तमान में हिंदी विश्व में तीसरे क्रम में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषा है । प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए ताकि वह उस भाषा की संस्कृति को समझ सके और उस भाषा का सम्मान करे। संपर्क की भाषा हिंदी का सरोकार आज विस्तृत है ए हमारे देश में कहीं भी जाए वहां हिंदी के विविध रूप प्रचलित है । प्रतियोगी परीक्षा के लिए हिंदी की किताबें ज्यादा उपलब्ध है । उन्होंने कहा कि हिंदी में रोजगार के बहुत से अवसर उपलब्ध है जैसे. अनुवादक के रुप में, फिल्म उद्योग में, समाचार पत्र में, लेखक, यूट्यूबर, हिंदी टाइपिंग, स्क्रिप्ट लेखन में हिन्दी की अपार संभावनाएं है। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक एच. पी. सिंह सलूजा ने कहा कि भाषा पर अपनी पकड़ मजबूत कर रोजगार के अवसर सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शकील ; राजनीति विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप जांगड़, डॉ. लाली शर्मा, प्रो. जैनेन्द्र दीवान, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. रमणी चंद्राकर, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. लता गोस्वामी, नूतन देशमुख, डॉ. कुंदन जांगड़े, प्रिया अग्रवाल, डॉ. गोविंद गुप्ता, शोधार्थी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने किया।

3. वक्ता: डॉ. सुधीर शर्मा
पद – विभागाध्यक्ष ( कल्याण महाविद्यालय भिलाई )

दिनांक : 05.03.2025

विषय : प्रतियोगी परीक्षा में छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

लाभान्वित विद्यार्थी : 36

उद्देश्य एवं सार्थकता : प्रतियोगी परीक्षाओं में छत्तीसगढ़ी भाषा की भूमिका पर मार्गदर्शन।
विद्यार्थियों को लोकभाषा की उपयोगिता से अवगत कराना।

हिन्दी विभाग
कैरियर काउंसलिंग
GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57wx+q26, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196757° Long 81.297184°
05/03/2025 11:04 AM GMT +05:30
Google

दैनिक भास्कर. दिनांक – 6/3/2025

**कॅरियर काउंसिलिंग** • साइंस कॉलेज के हिंदी विभाग में विद्यार्थियों को जानकारियां दी

# प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मातृभाषा जरूरी, छात्र परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे : डॉ. सुराना

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

साइंस कॉलेज के हिंदी विभाग में रूसा के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कॅरियर काउंसिलिंग आयोजित की गई। इसमें हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अपनी मातृभाषा की जानकारी होना आवश्यक है, जिससे उन परीक्षाओं में विद्यार्थी अच्छे अंक अर्जित कर सके।

हम जिस राज्य में रहते हैं उसकी भाषा, संस्कृति से हमें प्रेम होना चाहिए। छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति का परिदृश्य परिलक्षित होता है मुख्य वक्ता कल्याण कॉलेज के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य विषय पर कहा कि छत्तीसगढ़ का इतिहास काफी पुराना है। उतनी ही पुरानी उसकी भाषा छत्तीसगढ़ी है। छत्तीसगढ़ में बस्तर के आदिवासियों ने 1857 की क्रांति से 100 वर्ष पूर्व बगावत की शुरुआत कर चुके थे। भारतीय ज्ञान परंपरा में छत्तीसगढ़ का इतिहास, संस्कृति ,परंपरा और रीति-रिवाज आदि समृद्ध रहा है। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. रमणी चंद्राकर, शोधार्थी अतुल केसरवानी, टेकलाल निराला, कपिल, बेलमती पटेल, निर्मला पटेल, लक्ष्मीन आदि उपस्थित थे। संचालन डॉ. लता गोस्वामी तथा आभार प्रदर्शन डॉ. शारदा सिंह ने किया।

साइंस कॉलेज में हुए कार्यक्रम के दौरान छात्रों को संबोधित करते अतिथि।

# निष्कर्ष

विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा के रोजगारपरक आयामों की जानकारी दी गई।

कुल लाभान्वित विद्यार्थी: 219

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

## हिंदी विभाग

## गतिविधि - कैपेसिटी बिल्डिंग
## सत्र 2024–25

स्वीकृत राशि: ₹75,000
व्यय राशि: ₹75,450

# गतिविधि का नाम – सात दिवसीय छत्तीसगढ़ी नाचा एवं लोकनाट्य कार्यशाला

दिनांक - 24 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक

प्रशिक्षकगण

संत समाज नाचा पार्टी, लिटिया सेमरिया

राग अनुराग संस्था के संचालक एवं भोजपुरी–छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार

# कार्यशाला का विवरण

- छात्रों को छत्तीसगढ़ी नाचा लोकनाट्य की विधा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- पारंपरिक अभिनय, लोक गीत, वेशभूषा और मंच तकनीक की जानकारी।
- प्रशिक्षण के माध्यम से संस्कृति संरक्षण एवं रोजगार उन्मुख कौशल विकास।
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या – 28+28

# उद्देश्य एवं सार्थकता

- विद्यार्थियों में स्थानीय लोककला के प्रति रुचि एवं पहचान विकसित करना।

- नाचा कला के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों का निर्माण।

- छात्रों में आत्मविश्वास, प्रस्तुति कौशल एवं सांस्कृतिक जागरूकता का विकास।–

- 5  विद्यार्थियों को नाचा पार्टी में रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए |

# फोटोग्राफ्स

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57ww+gvh, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196413° Long 81.297862°
27/01/25 02:18 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57ww+gvh, Deepak Nagar, Malviya
Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196323° Long 81.297136°
31/01/25 03:24 PM GMT +05:30
Google

# फोटोग्राफ्स

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
छत्तीसगढ़ी नाचा एवं लोकनाट्य
तथा नाटक कार्यशाला

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57ww+gvh, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.19642° Long 81.297266°
31/01/25 11:21 AM GMT +05:30
Google

# निष्कर्ष

- विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा को सीखा।
- कई छात्रों ने स्थानीय मंचों, फिल्मों एवं सांस्कृतिक आयोजनों में भागीदारी की तैयारी शुरू की।
- यह कार्यशाला संस्कृति व रोजगार दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई।

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
## हिंदी विभाग

विस्तार गतिविधि - सत्र **2024-25**

स्वीकृत राशि: **₹15000**

व्यय: **₹15000**

# गतिविधियों का विवरण

1. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लिटिया, दुर्ग

दिनांक: 11/01/2025

लाभान्वित विद्यार्थी: 112

2. शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, खपरी अंजोरा, दुर्ग

दिनांक: 06/03/2025

लाभान्वित विद्यार्थी: 118

# फोटोग्राफ्स

हिंदी विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
GPS Map Camera
Litiya, Chhattisgarh, India
9625+87q, Litiya, Semariya, Chhattisgarh
491001, India
Lat 21.350759° Long 81.208199°
11/01/25 01:31 PM GMT +05:30
Google


खपरी
वि.खं एवं जिला-दुर्ग (छ.ग.)
हिंदी विभाग
हिंदी विभाग
विस्तार गतिविधि
GPS Map Camera
Khapri, Chhattisgarh, India
Khapri, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.180324° Long 81.216185°
06/03/2025 02:10 PM GMT +05:30
Google

# गतिविधि का उद्देश्य

- महाविद्यालय की शिक्षा व सुविधाओं का प्रसार दूरस्थ क्षेत्रों में
- क्षेत्रीय संस्कृति का ज्ञान अर्जन
- उच्चारण, अल्पविराम, बलाघात का प्रशिक्षण
- साइबर जागरूकता और प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी
- छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित सावधानियों से अवगत कराना

# सार्थकता

- आलेख पाठ द्वारा उच्चारण संबंधी त्रुटियों में सुधार
- साइबर सुरक्षा व इंटरनेट साइटों की जानकारी
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सजगता
- मासिक धर्म से जुड़ी जागरूकता
- निर्णय लेने की क्षमता का विकास

# निष्कर्ष एवं आभार

- विद्यार्थियों के शैक्षणिक, भाषिक व सामाजिक विकास हेतु यह गतिविधि लाभकारी रही।

- विद्यालय प्रबंधन, प्रतिभागी विद्यार्थियों व हिंदी विभाग का सहयोग सराहनीय रहा।

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

हिंदी विभाग

टीचिंग एंड लर्निंग

सत्र **2024-25**

स्वीकृत राशि: **₹25,000**

व्यय राशि: **₹24,760**

# प्रजातांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता का दायित्व

- वक्ता: श्री संजय पाठक ( वरिष्ठ  पत्रकार  )
- दिनांक: 8.1.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 12
- उद्देश्य एवं सार्थकता  :-  पत्रकारिता के प्रति रुझान उत्पन्न करना एवं मीडिया की भूमिका से अवगत कराना।

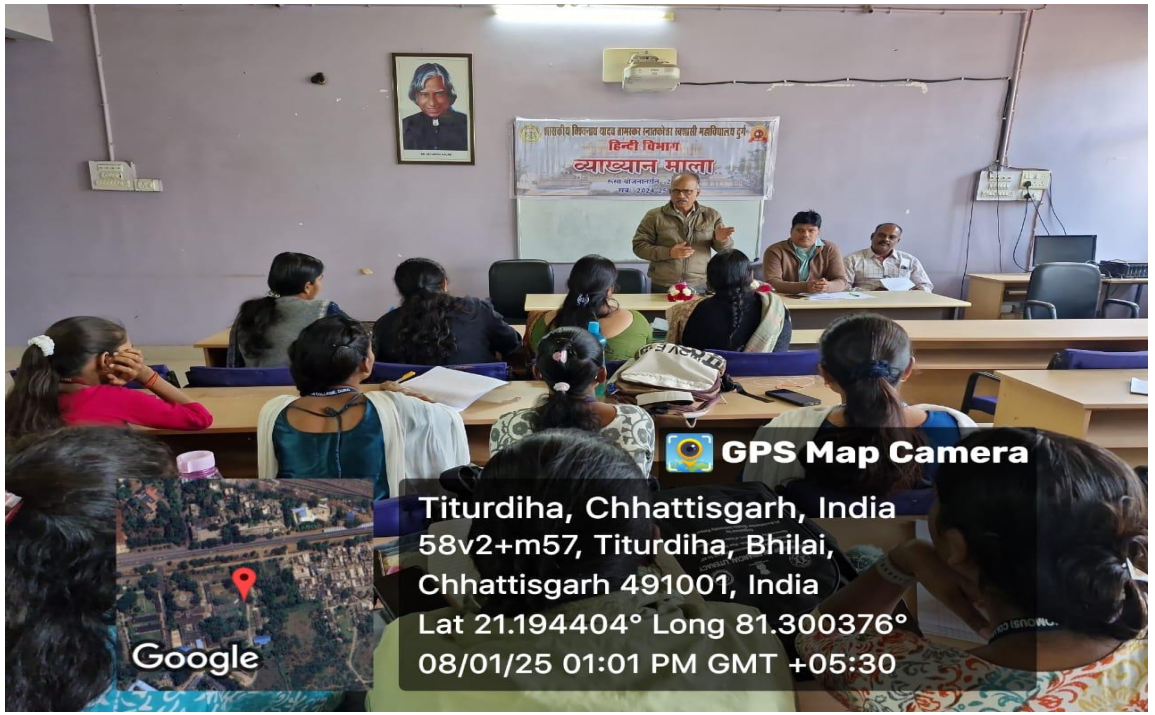

# वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी

- वक्ता: सुखनंदन सिंह धुर्वे ( भूतपूर्व प्रचार केन्द्रीय विद्यालय धमतरी )
- दिनांक: 10.1.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 34
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- मातृभाषा के प्रति प्रेम एवं सम्मान जगाना तथा प्रचार-प्रसार करना।

# कविता: छायावाद के बाद

- वक्ता: नसीर अहमद सिकंदर ( वरिष्ठ कवि, भिलाई )
- दिनांक: 14.1.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 11
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- साहित्य के प्रति रुझान एवं समकालीन कविता की समझ विकसित करना।

# हिंदी की प्रगतिशील कविता

- वक्ता: डॉ. जयप्रकाश साव ( वरिष्ठ आलोचक )
- दिनांक: 16.1.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 24
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- भारतीय जीवन के यथार्थ से अवगत कराना एवं मानवीय संवेदना का विकास करना।

# भाषा के स्वरूप, अंग, व्यवस्था एवं व्यवहार

- वक्ता: डॉ. शैल शर्मा ( विभागाध्यक्ष पं. रविवि रायपुर )
- दिनांक: 27.1.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 49
- उद्देश्य एवं सार्थकता:
- उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार एवं संप्रेषण कौशल का विकास।

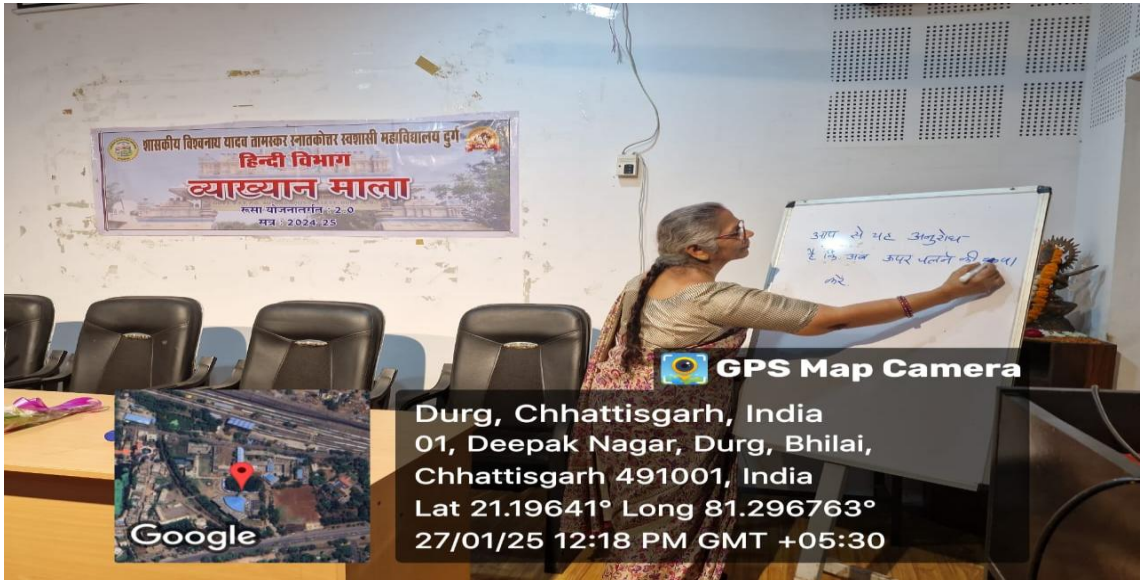

# 'भाषा से हम अपनी पहचान बनाते हैं'

नईदुनिया (वि), दुर्ग: शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा रुसा योजनांतर्गत व्याख्यान का सतत आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्नातकोत्तर हिंदी के पाठ्यक्रम को केंद्र में रखकर भाषा का स्वरूप, अंग, व्यवस्था, व्यवहार विषय पर डा. शैल शर्मा का व्याख्यान आयोजित किया गया। स्वागत भाषण देते हुए विभागाध्यक्ष डा. अभिनेष सुराना ने कहा कि भाषा का प्रयोग हर व्यक्ति करता है। भाषा विज्ञान का अध्ययन न केवल स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए है बल्कि सभी व्यक्ति एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है, क्योंकि भाषा से हम अपनी पहचान बनाते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अजय सिंह ने कहा कि भाषा में सुधार के लिए किताबों का अध्ययन जरूरी है। आज भाषा पढ़ना आसान है पर लिखना कठिन है। अधिकांश लोगों के लेखन में त्रृटि होती है। भौतिक शास्त्र की विभागाध्यक्ष डा. जगजीत कौर सलुजा ने कहा कि व्यक्ति की भाषा से उसका व्यक्तित्व झलकता है। इसलिए भाषा का उच्चारण सजग होकर करना चाहिए।

व्याख्यान में शामिल महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण। ●कालेज

भाषा का स्वरूप, अंग व्यवस्था एवं व्यवहार विषय पर डा. शैल शर्मा भाषा और साहित्य अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने कहा कि भाषा संप्रेषण का माध्यम है। भाषा अनुकरण के माध्यम से सिखी जाती है। शब्दों के उच्चारण में बलाघात से शब्द के अर्थ का बोध होता है। विद्यार्थियों को जिस भाषा में अधिकार होता है उसी भाषा में ज्ञान संचय में रुचि होती है। हम सांकेतिक भाषा का भी प्रयोग करते हैं। फिल्म तथा नाटक में कायिक भाषा का अपना अलग महत्व होता है। भाषा व्यक्तियों को आपस में जोड़कर नजदीक लाती है। इस आयोजन में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. जैनेन्द्र दीवान, डा. ओम कुमारी देवांगन, डा. रमणी चंद्रकार, डा.लता गोस्वामी शोधार्थीगण एवं स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डा. शारदा सिंह एवं आभार प्रदर्शन डा. रजनीश उमरे ने किया।

# कोच्चि के दरख़्त एवं हयवदन

- वक्ता: प्रो. थान सिंह वर्मा ( सेवानिवृत प्राध्यापक )
- दिनांक: 7.2.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 20
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- भारतीय साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

# छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य

- वक्ता: डॉ. पीयूष कुमार ( सहायक प्राध्यापक आरंग लोक साहित्य मर्मज्ञ )
- दिनांक: 3.3.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 31
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- छत्तीसगढ़ी साहित्य से परिचित कराना एवं लेखन के लिए प्रेरित करना।

# छत्तीसगढ़ी गद्य जीवंत और हमारे ह्द्य से जुड़ा है : डॉ. पीयूष

दुर्ग, 4 मार्च (देशबन्धु)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा रूसा योजना अंतर्गत व्याख्यानमाला का सतत आयोजन किया जा रहा है इसी कडी में छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य विषय में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके वक्ता डॉ. पीयूष कुमार, प्राध्यापक शासकीय बद्री प्रसाद कला एवाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय आरंग थे। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ी का गद्य साहित्य

अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त मांध्यम है जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति परम्परा रीति रिवाज परिलक्षित होती है छत्तीसगढ़ी साहित्य में छत्तीसगढ़ की माटी की सौंधी सुगंध है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पीयूष कुमार ने श् छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी गद्य जीवंत है वह हमारे हृदय से जुड़ा हुआ है इसलिए छत्तीसगढ़ी के साहित्यकार गद्य के माध्यम से लोगों में चेतना जागृत करते हैं । छत्तीसगढ़ का इतिहास समृद्ध हैं इस पर हमें गर्व करना चाहिए। छत्तीसगढ़ी के नवीन साहित्यकारों के पास विषय की बहुलता है जिसके माध्यम से वे अपनी भावना को अभिव्यक्त कर छत्तीसगढ़ी साहित्य संसार को समृद्ध कर सकते हैं। कल्याण महाविद्यालय भिलाई के प्राध्यापक अंजन कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ी गद्य में छत्तीसगढ़ की अस्मिता को पहचान मिलती है साथ ही गांव का जनजीवन दिग्दर्शित होता है।

उक्त कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. रजनीश उमरे, डॉ.ओमकुमारी देवांगन, डॉ. रमणी चंद्राकर, शोधार्थी अतुल केसरवानी, टेकलाल निराला, कपिल, बेलमती पटेल, निर्मला पटेल, ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

# सूरदास का उक्ति वैचित्र

- वक्ता: डॉ. शंकर निषाद ( सेवानिवृत प्राध्यापक )
- दिनांक: 7.3.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 52
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।

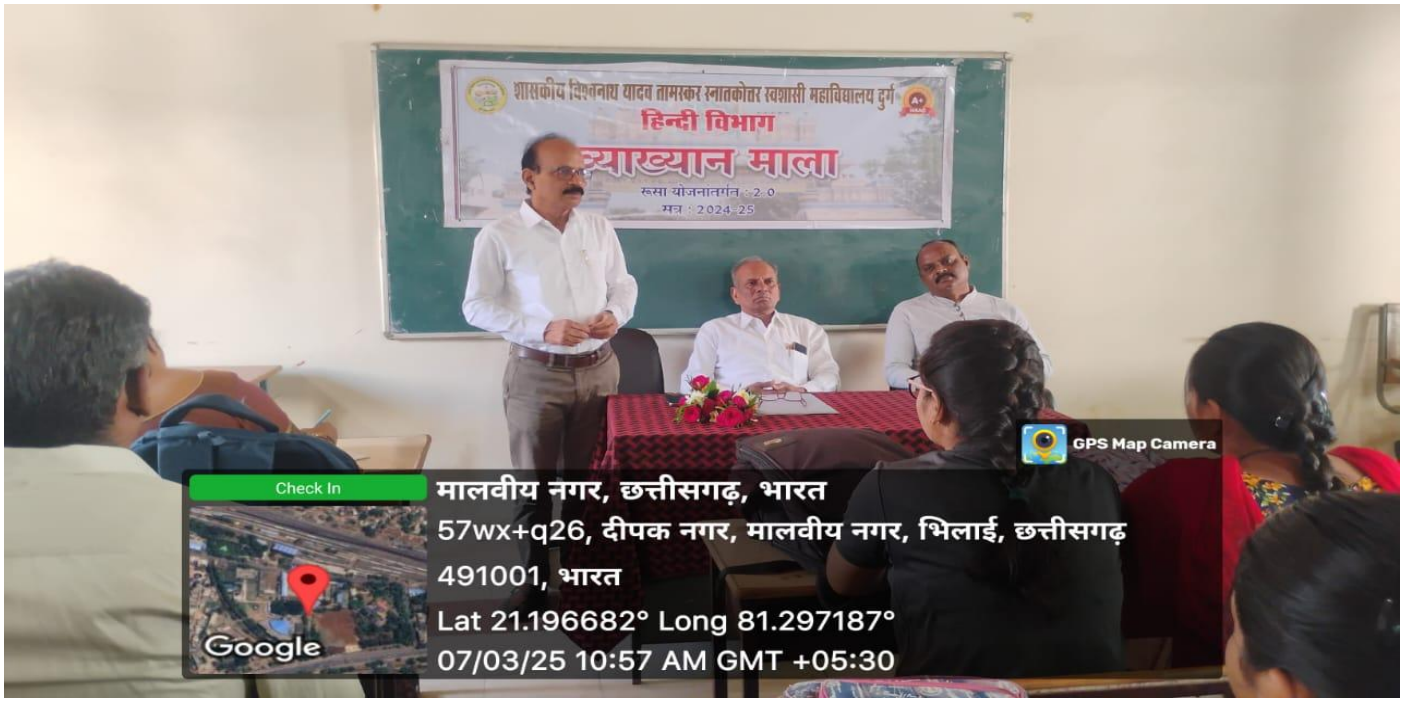

# व्यवहारिक समीक्षा

- वक्ता: डॉ. रीता गुप्ता ( प्राध्यापक )
- दिनांक: 10.3.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 46
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।

# नागार्जुन एवं त्रिलोचन

- वक्ता: डॉ. अंजन कुमार ( सहायक प्राध्यापक एवं युवा कवि )
- दिनांक: 11.3.2025
- लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 42
- उद्देश्य एवं सार्थकता :- साहित्य के माध्यम से सामाजिक दायित्वों का बोध कराना।

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
## हिंदी विभाग

शैक्षणिक भ्रमण (2024-25)

# शैक्षणिक भ्रमण (2024-25)

- *दिनांक: 19.01.2025 – 21.01.2025*
- *लाभान्वित छात्र: 41*
- *स्वीकृत राशि: ₹40,000*
- *व्यय राशि: ₹49,150*

## • भ्रमण स्थलों की सूची

- सीताबेंगरा नाट्यशाला, अंबिकापुर
- रामगढ़ – कालिदास रचना स्थली
- राम वन गमन पथ
- अंबिकापुर प्रेस – *अंबिकावाणी समाचार*
  मैनपाट के दर्शनीय स्थल

# फोटोग्राफ्स

अम्बिकावाणी
समाचार समूह
सरगुजा, कोरिया एवं रायपुर
से एक साथ प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
अम्बिकावाणी
हिन्दी विभाग
शैक्षणिक भ्रमण

अम्बिकापुर
AMBIKA
1

# फोटोग्राफ्स

जलजली पर्यटन स्थल मैनपाट (उथलती जमीन)
Sky
ADVENTURE & CAMPING
हिन्दी विभाग
शैक्षणिक भ्रमण

GPS Map Camera
Puta, Chhattisgarh, India
Vwxj+f6v, Puta, Chhattisgarh 497333, India
Lat 22.898178° Long 82.929523°
20/01/25 03:43 PM GMT +05:30
Google

# भ्रमण का उद्देश्य

- प्रेस की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझाना
- ऐतिहासिक नाट्यशाला *सीताबेंगरा* का अवलोकन
- *महाकवि कालिदास* की रचनात्मक पृष्ठभूमि से परिचय
- *राम वनपथ गमन* जैसे सांस्कृतिक स्थलों का अध्ययन
  छात्रों में साहित्यिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक जागरूकता विकसित करना

- भ्रमण की सार्थकता

- छात्रों में साहित्यिक अभिरुचि का विकास

- छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से साक्षात्कार

- समाचार पत्र की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से जानने का अवसर

- अंतरविभागीय समन्वय और समूह में कार्य करने की भावना का विकास

# निष्कर्ष

- यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और अनुभवात्मक रहा।

- उन्होंने पुस्तकीय ज्ञान के बाहर जाकर साहित्य, संस्कृति और पत्रकारिता की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से जाना।

हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

**रूसा 2.0**

**सत्र 2023–24**

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

हिंदी विभाग

गतिविधि : करियर काउंसलिंग

सत्र : 2023–24

व्यय राशि : ₹ 9198

वक्ता : श्री भुवाल सिंह ठाकुर

दिनांक - 12 जनवरी 2024

विषय: हिंदी में रोजगार की संभावनाएं

लाभान्वित विद्यार्थी : 25

उदेश्य एवं सार्थकता : हिंदी भाषा में लेखन, अनुवाद, मीडिया, अध्यापन, शोध आदि क्षेत्रों में करियर की विस्तृत जानकारी दी गई।

हिन्दी विभाग
(प्रधानमंत्री उषा योजनान्तर्गत)
कैरियर काउंसलिंग
दिनांक 12.01.2024
वक्ता-डॉ.भुवाल सिंह ठाकुर
शासकीय महाविद्यालय, भखारा
दिनांक 13.01.2024
वक्ता-डॉ.सुबोध देवांगन
शासकीय महाविद्यालय, उतई
A+
NAAC

वक्ता - डॉ. सुबोध देवांगन

दिनांक : 13 जनवरी 2024

विषय : प्रतियोगी परीक्षा में हिंदी

लाभान्वित विद्यार्थी : 18

उदेश्य एवं सार्थकता : प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे UPSC, PSC, NET) में हिंदी विषय की उपयोगिता एवं तैयारी की रणनीतियाँ साझा की गईं।

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
हिन्दी विभाग
(प्रधानमंत्री उषा योजनानर्गत)
कैरियर काउंसलिंग
A+
NAAC
दिनांक 12.01.2024
वक्ता-डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर
शासकीय महाविद्यालय, भखारा
दिनांक 13.01.2024
वक्ता-डॉ. सुबोध देवांगन
शासकीय महाविद्यालय, उतई

वक्ता - डॉ. सुधीर शर्मा एवं डॉ. लालचंद सिंह

दिनांक : 19 जनवरी 2024

विषय : हिंदी विषय की विविध उपयोगिताएँ एवं करियर मार्गदर्शन

लाभान्वित विद्यार्थी : 25

उद्देश्य एवं सार्थकता : विद्यार्थियों को शिक्षा, साहित्यिक संस्थाओं, मीडिया, प्रकाशन आदि क्षेत्रों में हिंदी की संभावनाओं से अवगत कराया गया।

शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
हिन्दी विभाग
(प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत)
कैरियर काउंसलिंग
दिनांक - 19.01.2024
GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196379°
Long 81.296841°
19/01/24 11:50 AM GMT +05:30
Google

**कार्यक्रम का उद्देश्य** - विद्यार्थियों को हिंदी विषय से संबंधित विभिन्न रोजगार विकल्पों की जानकारी देना।प्रतियोगी परीक्षाओं व करियर निर्माण में हिंदी विषय की भूमिका स्पष्ट करना।विषय विशेषज्ञों के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करना।

निष्कर्ष –

- करियर काउंसलिंग सत्र 2023–24 हिंदी विभाग द्वारा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु एक सार्थक पहल रही।

- कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल करियर के अवसरों की जानकारी मिली, बल्कि विषय के प्रति नई दृष्टि भी विकसित हुई।

- विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से प्रेरणा लेकर लक्ष्य निर्धारण व योजना निर्माण के प्रति रुचि दिखाई।

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

हिंदी विभाग

कार्यशाला – कविता कार्यशाला 'युवा सृजन की दिशाएं'

दिनांक - 30 एवं 31 जनवरी 2024

सत्र - 2023–24

स्वीकृत राशि:

व्यय राशि - ₹100020

विवरण

1. श्री अशोक तिवारी – अतिथि व्याख्याता
2. श्री सियाराम शर्मा – सहायक प्राध्यापक एवं आलोचक
3. श्री विनोद शर्मा – प्राध्यापक एवं साहित्यकार
4. श्री पीयूष कुमार – सहायक प्राध्यापक एवं लोक साहित्य मर्मज्ञ
5. डॉ. कृष्ण कुमार साहू 'रंजन कृष्ण' – युवा कवि
6. श्री परमेश्वर वैष्णव – साहित्यकार
7. श्रीमती विद्या गुप्ता – कवयित्री
8. श्री शरद कोकास – वरिष्ठ साहित्यकार
9. श्री नासीर अहमद सिकंदर – वरिष्ठ कवि
10. श्री घनश्याम त्रिपाठी – साहित्यकार
11. डॉ. अम्बरीष त्रिपाठी – सहायक प्राध्यापक
12. श्री रवि श्रीवास्तव – वरिष्ठ कवि
13. श्री गुलबीर सिंह भाटिया – वरिष्ठ कवि
14. डॉ. सुबोध देवांगन – अतिथि व्याख्याता
15. डॉ. कमल सिंह सार्वा – प्राचार्य
16. डॉ. अंजन कुमार – सहायक प्राध्यापक--

लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या : 34

प्रमुख गतिविधियाँ : कविता पठन एवं समीक्षा सत्र युवा
रचनाकारों का मंचीय प्रस्तुतीकरण
सृजनशील लेखन पर संवाद व कार्यशाला
वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा मार्गदर्शन |

कार्यशाला का उद्देश्य : युवा रचनाकारों को कविता लेखन की समकालीन प्रवृत्तियों से परिचित कराना । साहित्यिक अभिव्यक्ति और नव-सृजन की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना । विद्यार्थियों को स्थापित कवियों व साहित्यकारों से संवाद का अवसर देना।

कार्यशाला का निष्कर्ष -

- दो दिवसीय यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई।

- उन्हें कविता के शिल्प, संवेदना, वैचारिकी एवं संरचना को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- युवा प्रतिभाओं ने अपनी रचनात्मकता को मंच पर प्रस्तुत कर आत्मविश्वास प्राप्त किया।
- इस आयोजन ने हिंदी साहित्य में उनकी रुचि को प्रगाढ़ किया एवं साहित्यिक दृष्टि का विकास किया।
- युवा सृजन की दिशाएं' कार्यशाला विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं सृजनात्मक विकास की ओर एक सशक्त कदम रहा।

# फोटोग्राफ्स

GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57WX+H4C, दीपक नगर, मालवीय नगर, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196419°
Long 81.297931°
30/01/24 04:34 PM GMT +05:30
Google

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

## विस्तार गतिविधि

सत्र 2023 – 24

स्वीकृत राशि - 25000

व्यय राशि - 27480

# विवरण _

1 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसमड़ा , दुर्ग

दिनांक - 17/10/2023

लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या _ 36

उद्देश्य _ विस्तार गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान, रचनात्मक और सहयोग जैसे आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करती है। यह छात्र विद्यार्थियों को कक्षा से परे सीखने के अनुभव में संलग्न करने समुदाय के सदस्यों को सक्रिय रूप से शामिल करने या किसी विशेष परियोजना लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन को जुटाने में मदद करता है।

सार्थकता – छात्रों को रोजगारपरक कौशल से जोड़ता है |
शिक्षा को समाज से जुडाव के साथ प्रासंगिक बनाता है |
नवाचार और टीमवर्क को प्रोत्साहित करता है |

फोटोग्राफ्स _

"बाल देवो भवः"
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
राष्ट्रीय सेवा योजना
मैं नहीं, आप
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
हिंदी विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
हिंदी विभाग
विस्तार गतिविधि
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
संस्कृत विभाग एवं
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई
विस्तार गतिविधि
Google
GPS Map Camera
Rasamada, Chhattisgarh, India
56VC+WF3, Jalbandha Road, Rasamada, Siloda, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.198577°
Long 81.221373°
17/10/23 01:38 PM GMT +05:30

# 2 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिटिया जिला दुर्ग

दिनांक - 20/1/2024

लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या _ 57

उद्देश्य - विस्तार गतिविधि विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सोच समस्या ,समाधान ,संचार और सहयोग जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में मदद करती है जो उनके भविष्य के लिए आवश्यक है।

सार्थकता – छात्रों को रोजगारपरक कौशल से जोड़ता है |
शिक्षा को समाज से जुडाव के साथ प्रासंगिक बनाता है |
नवाचार और टीमवर्क को प्रोत्साहित करता है |

फोटोग्राफ्स -

शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
(प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत)
हिन्दी विभाग
विस्तार गतिविधि
शनिवार - 20.01.2024
(ग्राम-सेमरिया-लिटिया)
शास. उच्च. माध्य. विद्यालय
लिटिया
विकासखंड - धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
2024/01/20 13:25
PrinceP

3 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरई, दुर्ग

दिनांक – 3/2/2024

लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या _103

उद्देश्य _ विस्तार गतिविधि में भाग लेने से छात्रों को अपनी रुचियों, क्षमताओं और मूल्यों के बारे में अधिक जानकारी मिलती है जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संशाधनों की पहुँच सुनिश्चित करना |

सार्थकता – छात्रों को रोजगारपरक कौशल से जोड़ता है |
शिक्षा को समाज से जुडाव के साथ प्रासंगिक बनाता है |
नवाचार और टीमवर्क को प्रोत्साहित करता है |

फोटोग्राफ्स _

शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
(प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत)
हिन्दी विभाग
विस्तार गतिविधि
शनिवार - 03.02.2024
(ग्राम-बोरई जिला-दुर्ग)
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोरई जिला दुर्ग
A+
NAAC
GPS Map Camera
Borai, Chhattisgarh, India
752Q+M5Q, Borai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.251803°
Long 81.188068°
03/02/24 01:16 PM GMT +05:30
Google

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्करस्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

## हिंदी विभाग

व्याख्यान माला टीचिंग एंड लर्निंग

सत्र 2023-24

स्वीकृत राशि :

व्यय राशि : 63662__

व्याख्यानों की कुल संख्या - 9

कुल लाभान्वित विद्यार्थी - 279

विषय क्षेत्र - हिंदी साहित्य, पत्रकारिता, लोककला, कविता, समकालीन साहित्य

# विवरण

1 वक्ता: डॉ. जीवन यदु, डॉ. पी.सी. लाल यादव

दिनांक: 10.01.2024

विषय : छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य, दसमत कैना की कथावस्तु

लाभान्वित विद्यार्थी : 27

उद्देश्य एवं सार्थकता - लोक साहित्य व छत्तीसगढ़ी साहित्य के आधुनिक स्वरूप से परिचय।कथानक विश्लेषण की क्षमता का विकास।

प्रधानमंत्री उषा योजनान्तर्गत 2023-2024
व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य
यादव, दसमत कैना की गाथा
A+
NAAC
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
हिन्दी विभाग
विश्व हिन्दी दिवस
10 जनवरी

2 वक्ता : श्री मन कुरैशी (छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार, रायपुर) ,
श्री हेमलाल यादव ( छत्तीसगढ़ी एवं भोजपुरी लोक कलाकार )

दिनांक: 16.01.2024

विषय: छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति

लाभान्वित विद्यार्थी : 121

उद्देश्य एवं सार्थकता : छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा का अध्ययन। सांस्कृतिक मूल्यों को समझने का अवसर।

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
हिंदी एवं संस्कृत विभाग
18.01.2024
श्री मोना सेन
श्री मन कुरैशी

3 वक्ता : वरिष्ठ पत्रकार सुदीप ठाकुर

दिनांक: 23.01.2024

विषय: पत्रकारिता की क्रियाविधि और पत्रकार का दायित्व

लाभान्वित विद्यार्थी : 17

उद्देश्य एवं सार्थकता : पत्रकारिता के व्यावहारिक पक्षों को समझना।मीडिया नैतिकता की जानकारी।

प्रधानमंत्री उषा योजनान्तर्गत 2023-2024
व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
मुख्य वक्ता : श्री सुदीप ठाकुर,
पत्रकारिता की क्रियाविधि
और पत्रकार का दायित्व

वक्ता : डॉ. शंकर निषाद, प्रो. थान सिंह वर्मा

दिनांक : 09.02.2024

विषय : बिहारी का काव्य एवं कोच्चि के दरख़्त का सामाजिक यथार्थ

लाभान्वित विद्यार्थी : 22

उद्देश्य एवं सार्थकता : मध्यकालीन साहित्य व समकालीन यथार्थ की तुलना।

5 वक्ता : श्री कपूर वासनिक(वरिष्ठ कवि ,लेखक बिलासपुर ) श्री शरद कोकास ( हिन्दी एवं मराठी साहित्यकार दुर्ग )

दिनांक : 14.02.2024

विषय : मराठी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास,हिंदी व मराठी साहित्य की समकालीन परंपरा

लाभान्वित विद्यार्थी : 28

उद्देश्य एवं सार्थकता : भाषाई साहित्यिक परंपराओं का तुलनात्मक अध्ययन।

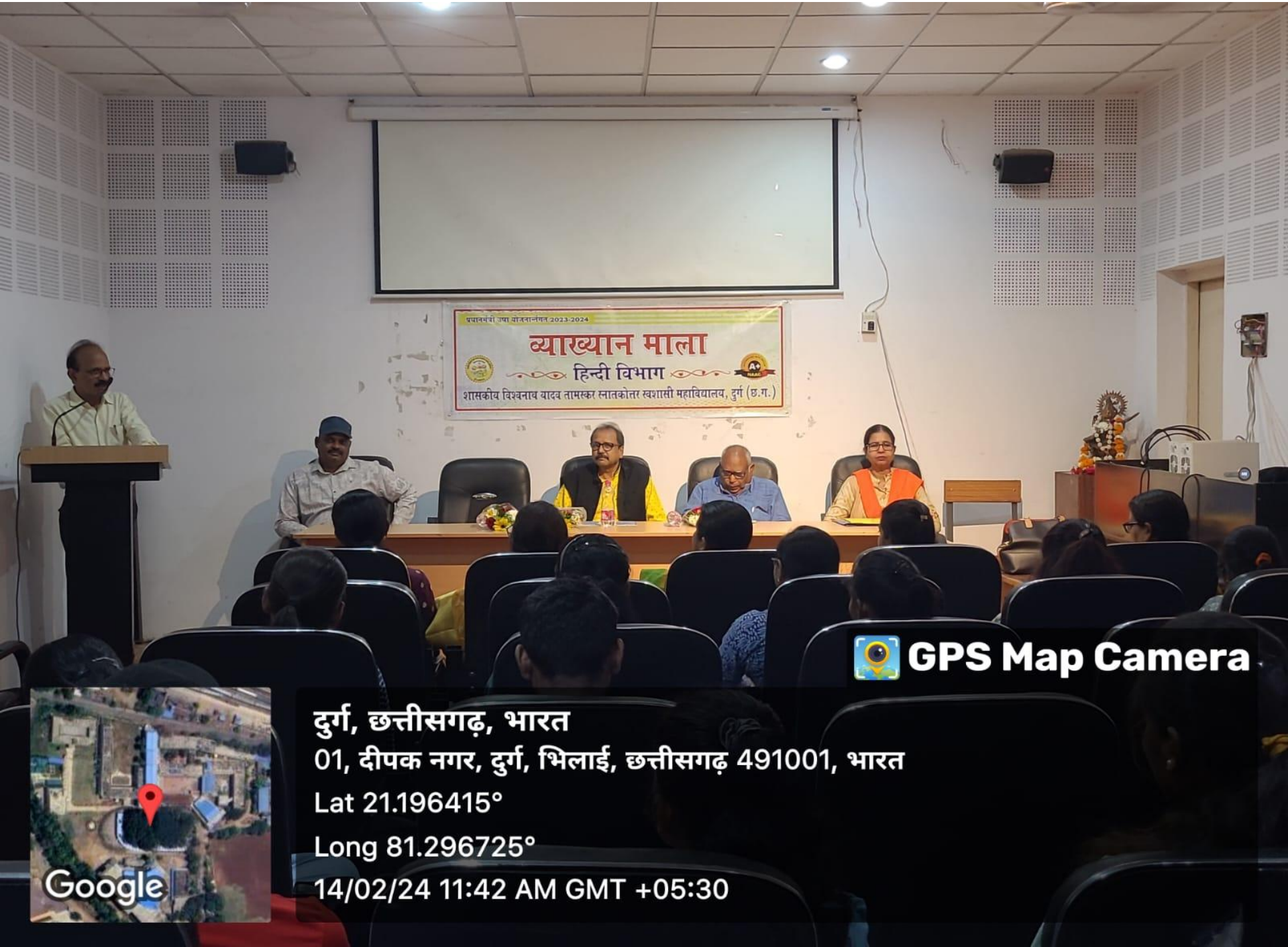
प्रधानमंत्री उषा योजनान्तर्गत 2023-2024
व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोतर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
GPS Map Camera
दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत
01, दीपक नगर, दुर्ग, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196415°
Long 81.296725°
14/02/24 11:42 AM GMT +05:30
Google

6 वक्ता : श्री गुरबीर सिंह भाटिया ( वरिष्ठ कवि ) श्री शरद कोकास ( हिन्दी एवं मराठी साहित्यकार दुर्ग )

दिनांक : 21.01.2024

विषय : आज की कविता, कविता का शिल्प पक्ष

लाभान्वित विद्यार्थी : 18

उद्देश्य एवं सार्थकता : समकालीन कविता का सौंदर्यशास्त्र समझना।

7 वक्ता : डॉ. सियाराम शर्मा, श्री नसीर अहमद सिकंदर

दिनांक : 22.02.2024

विषय : कविता की वैचारिकी एवं नए रास्तों की खोज

लाभान्वित विद्यार्थी : 24

उद्देश्य एवं सार्थकता : वैचारिक कविता के रूप व भाव की पहचान

वक्ता : डॉ. राजेश दुबे, श्री सौरभ सराफ

दिनांक : 28.03.2024

विषय : छायावादी कविता और छत्तीसगढ़ी कविता का लोकराग

लाभान्वित विद्यार्थी : 22

उद्देश्य एवं सार्थकता : साहित्यिक परंपराओं की अंतःसंवाद प्रक्रिया को समझना।-

:

निष्कर्ष - व्याख्यान माला सत्र 2023–24 के अंतर्गत हिंदी विभाग द्वारा विविध विषयों पर गहन एवं सार्थक चर्चाएँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने साहित्य, पत्रकारिता, लोककला, कविता, संस्कृति एवं समकालीन विमर्शों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से समझा। विभिन्न विशेषज्ञों, लेखकों और कलाकारों से सीधा संवाद स्थापित कर विद्यार्थियों का आत्मविश्वास एवं बौद्धिक विकास हुआ। कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं साहित्यिक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

## शैक्षणिक भ्रमण

सत्र 2023 – 24

स्वीकृत राशि 50000

व्यय राशि - 39690

# 1 आकाशवाणी रायपुर एवं हरिभूमि प्रेस

दिनांक: 13.02.2024

विद्यार्थियों की संख्या : 29

उद्देश्य एवं सार्थकता : विद्यार्थियों को मीडिया और संचार के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कराना।समाचार निर्माण, प्रसारण प्रक्रिया और पत्रकारिता की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से समझना।

समग्र परिणाम : विद्यार्थियों में मीडिया संबंधी रुचि व समझ का विकास हुआ।करियर की दिशा में नई संभावनाओं की जानकारी प्राप्त हुई।

फोटोग्राफ -

# फोटोग्राफ

3 खबर
सबकी नजर
GPS Map Camera
Raipur, Chhattisgarh, India
6JFW+97J, Dharam Nagar, Tagore Nagar, Raipur, Mathpurena, Chhattisgarh 492001, India
Lat 21.222926°
Long 81.645461°
13/02/24 01:44 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Raipur, Chhattisgarh, India
HARIBHOOMI COMPLEX, Dhamtari Rd, beside GST BHAWAN, Postal Colony, Tikrapara, Raipur, Mathpurena, Chhattisgarh 492001, India
Lat 21.222262°
Long 81.644678°
13/02/24 12:09 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर (स्वशासी) स्नात. महा. दुर्ग
हिन्दी - विभाग
शैक्षणिक - भ्रमण

# 2 राजिम एवं चंपारण

दिनांक: 06.01.2024

विद्यार्थियों की संख्या: 34

उद्देश्य एवं सार्थकता : धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन।छत्तीसगढ़ की लोकपरंपरा और आध्यात्मिक चेतना को समझना। परिणाम:विद्यार्थियों में सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ी।साहित्यिक संदर्भों को प्रत्यक्ष अनुभव से जोड़ने की क्षमता विकसित हुई।

फोटोग्राफ -

(प्रधानमंत्री उषा योजनांतर्गत)
शैक्षणिक भ्रमण
GPS Map Camera
Champaran, Chhattisgarh, India
2WMF+WGQ, Champaran, Chanpa Jh, Chhattisgarh 493992, India
Lat 21.033751°
Long 81.92296°
06/01/24 12:14 PM GMT +05:30
Google